फर्द अहकॉम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी सेड़वा व मुकाम सेड़वा

पंकज कुमार ....बनाम.......... सुखदान

किस्म मुकदमा........राजस्व वाद..........मुकदमा नम्बर..........177......./2023

तारीख हुक्म	हुक्म कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
17/11/23	प्रार्थी/वादी/अपीलोट के वकील श्री.......आत्माराम.......यह प्रार्थना पत्र/वाद/अपील धारा.......188.......राजस्थान काश्तकारी अधिनियम–राजस्व अधिनियम के अर्न्तगत पेश किया है । जो दर्ज रजिस्टर हो । विप्रार्थी / प्रतिवादी / रेरपोडेंट जरिये नोटिस / सम्मन तलब होकर पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक.......8/12/23.......को पेश हो ।	
8/12/23	पत्रावली पेश हुई । पीठासीन अधिकारी दीगर कार्यो मे व्यस्त है, मिसल इत्तला होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 28/02/24 को पेश हो ।	
28/2/24	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगर कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्तला होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 15/5/24 को पेश होवे।	
15/05/24	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगर कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्तला होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 30/07/24 को पेश होवे।	
30/07/24	पत्रावली पेश हुई। वादी वकील उपस्थित। प्रतिवादीगण के सम्मन तामील। आदेश तामील अप्राप्त इन्तजार होकर पत्रावली आईन्दा दिनांक 4/9/24 को पेश हो।	

Signature Not Verified
Digitally signed by Badrinarayan
Date: 2025.05.05 20:46:52 IST
Reason: SelfAttested

27/9/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी विगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 25/11/24 को पेश हो।

25/11/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 30/12/24 को पेश हो।

30/12/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 27/02/25 को पेश हो।

12/02/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी एवं वादी स्वयं उप.। वकील वादी ने प्रार्थना पत्र वास्ते पत्रावली पेशी पर लेने बाबत पेश कर निवेदन किया कि पत्रावली आज पेशी तारीख पर ली जावें। वकील वादी के प्रार्थना पत्र पर पत्रावली आज पेशी तारीख पर ली गई। वकील वादी ने प्रार्थना पत्र वास्ते वाद विड्रा करने बाबत पेश कर निवेदन किया कि उपरोक्त अनवान के प्रकरण मे वादी व प्रतिवादीगण के बीच मे गांव के मोजिज व्यक्तियों ने राजीनामा करवा दिया है अब हमारे बीच किसी प्रकार का तनाजा नही है कि उक्त वाद हम आगे नही चलाना चाहते है उपरोक्त अनवान के प्रकरण को विड्रा करने का आदेश फरमावें।

वादी वकील द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र न्यायहित में स्वीकार किया जाकर उक्त अनवान के प्रकरण को जरिये राजीनामा विड्रो किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

पंकज कुमार
Anuragh
उप. वकील

Signature Not Verified
Digitally signed by Badrinarayan
Date: 2025.05.05 20:46:32 IST
Reason: Self Attested